CH. CHARAN SINGH COLLEGE OF EDUCATION & TECHNOLOGY

SADARPUR, MEERUT

B.Ed.

Good

SESSION-20.20..-20.21.

B.Ed. Final Year

TOPIC/FILE NAME..Assessment of Learning

Submitted to:
Vinod & manoj Sir

submitted by:
Shilpi Chaudhary

Scanned with OKEN Scanner

Topic ____________ Date ________ Page ________

S.No	Topic	Signature
1-	अभिस्वीकृति।	
2-	मापन (Measurement) के अर्थ व परिभाषाएं	
3-	मापन के प्रतीक।	
4-	मापन के आयाम।	
6-	मापन के स्तर अथवा मापनियाँ	
7-	–	

Teacher's Signature..............................

Vidhata High Class Products P-9

Scanned with OKEN Scanner

TOPIC________________________DATE__________

अभिस्वीकृति

मैं अपने अध्यापक को धन्यवाद करना चाहूँगी। जिन्होंने मुझे इस विषय पर परियोजना बनाने का सुनहरा अवसर दिया। मैं अपने सहपाठियों व अध्यापक को भी धन्यवाद करूँगी। जिन्होंने मुझे सीमित समय के भीतर इस परियोजना को अंतिम रूप देने में मेरी बहुत मदद की है।

मैं उनको धन्यवाद करना चाहूँगी।

Teacher's Signature..

Vidhata High Class Products P-10

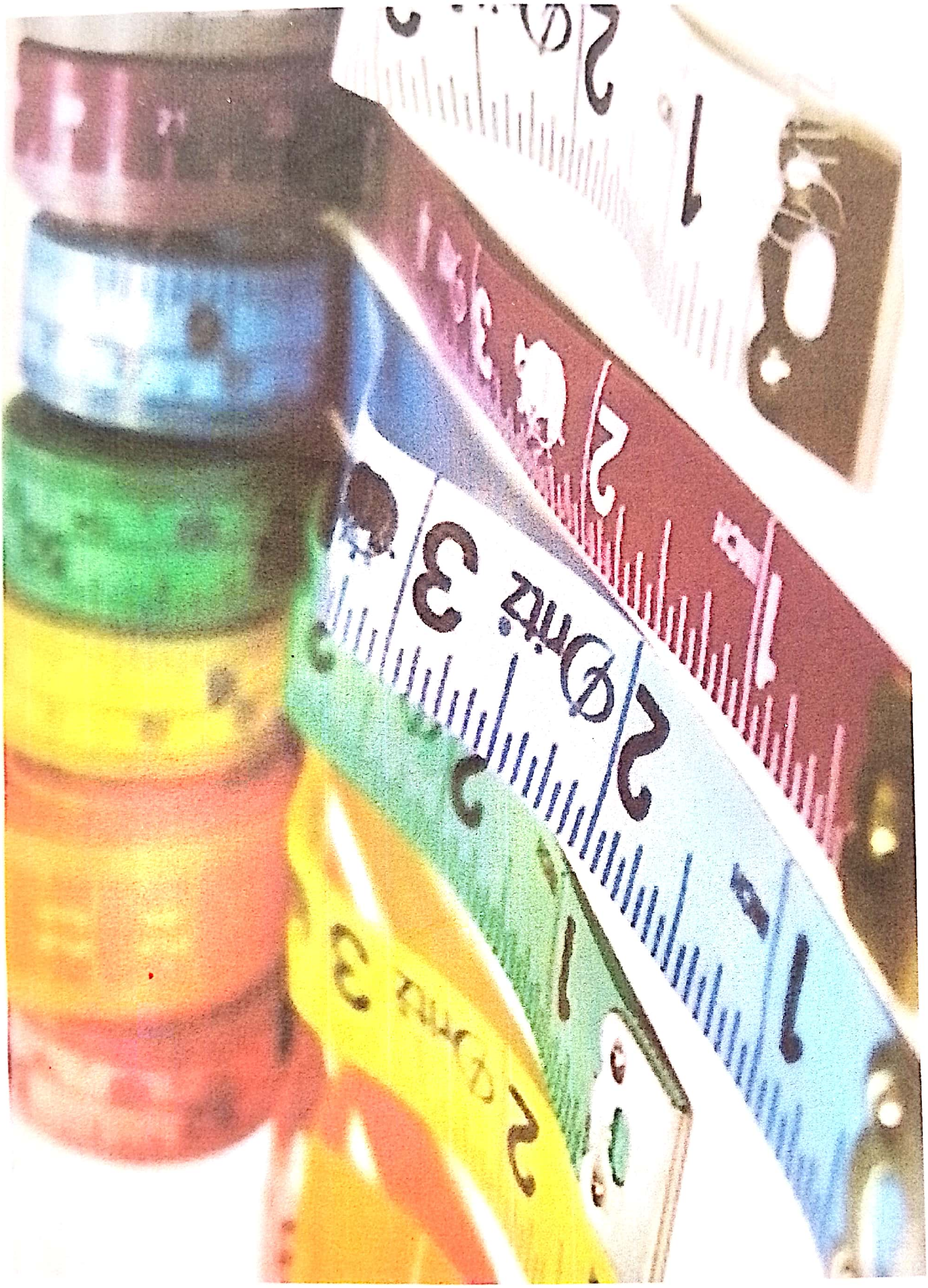

Scanned with OKEN Scanner

Topic .... Date : ....

Measurement

मापन

मापन का अर्थ - मापन एक निरपेक्ष शब्द है। जिसकी व्याख्या सरल नहीं है। मापन प्रदत्तों का अंकों में वर्णन करता है। मापन द्वारा किसी वस्तु का शुद्ध व वस्तुनिष्ठ रूप में वर्णन किया जाता है। मापन का अर्थ है - किसी निश्चित इकाइयों में वस्तु या गुण के परिणाम का पता लगाना।

थार्नडाइक के अनुसार - "प्रत्येक वस्तु के जो जरा भी सत्ता रखती है, किसी न किसी परिणाम में सत्ता रखती है, और कोई भी वस्तु जिसकी किसी परिणाम में सत्ता है मापन के योग्य है।"

स्टीवेन्स - "मापन किन्हीं निश्चित स्वीकृत नियमों के अनुसार वस्तुओं को अंक प्रदान करने की प्रक्रिया है।"

मापन के प्रतीक - Symbol of Measurement

किसी घटना वस्तु, भावना गुण का मापन हम किसी न किसी इकाई के रूप में व्यक्त करते हैं।

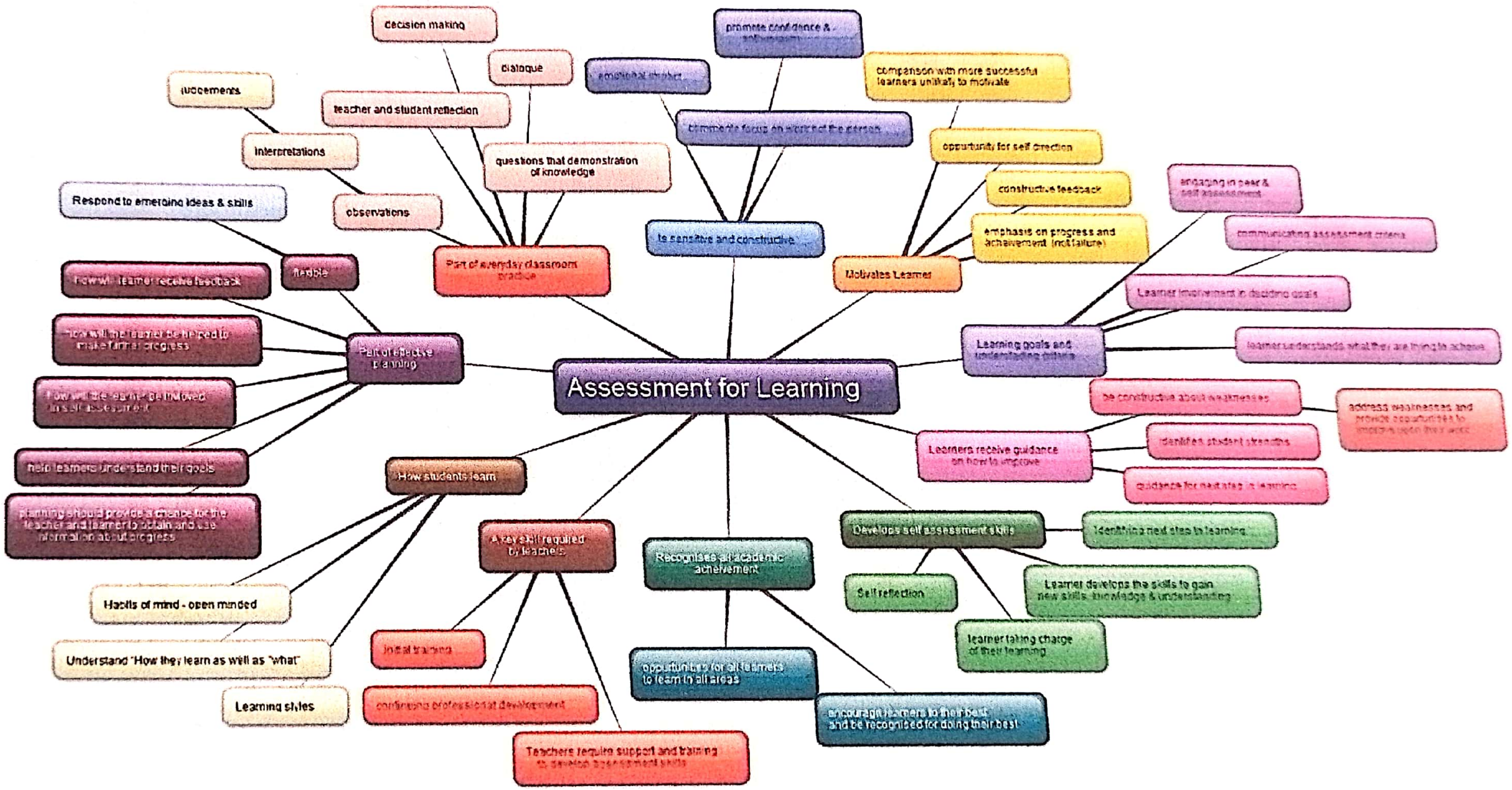

Scanned with OKEN Scanner

Topic .... Date : ....

जैसे- कोई वस्तु - ग्राम व किलोग्राम, दूरी - किलोमीटर, द्रव - लीटर व मिलीलीटर, इन इकाइयो मापन प्रतीक कहते है।

मापन के आयाम - Dimension of Measurement

किसी तथ्य के अनेक पक्षो - अवयव, गुण, दशाओ व विस्तार को आयाम माना जाता है।
विद्यार्थी के विभिन्न आयामो का मापन कर उन्हे प्रतीक अंक या संख्या प्रदान करते है,
जैसे - किसी विद्यार्थी की आयु, लम्बाई भार, स्कूल के विषयो का ज्ञान, बुद्धि - लब्धि आदि का मापन उसकी स्थिति की जानकारी प्राप्त करने के लिए करते है।

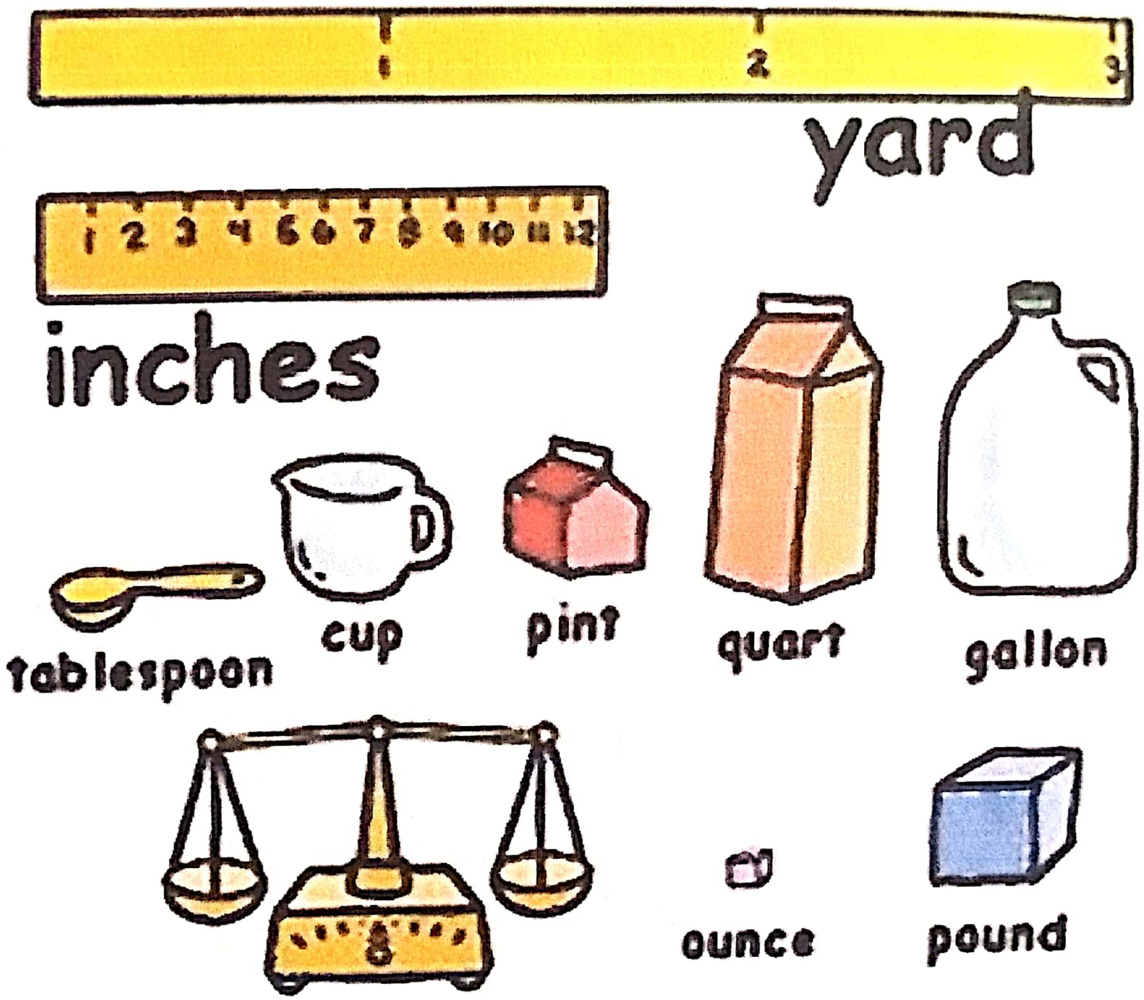

Scanned with OKEN Scanner

Topic .... Date : ....

मापन के स्तर अथवा मापनियाँ

एस. एस. स्टीवेन्स ने अपनी पुस्तक
"On the theory of Scales of Measurement"
मापन के चार स्तर बताए हैं, जिन्हें निम्न से उच्च क्रम मे वर्गीकृत किया गया है।
निम्नतम स्तर का मापन सरल होता है। लेकिन उसमे परिशुध्दता कम होती है। उच्चतर स्तर के मापन मे जटिलता होती है।

किन्तु इनके निष्कर्ष अधिक शुद्ध होते हैं। मापन के चारो स्तर निम्नलिखित है →

1- नामित स्तर या मापनी (Nominal Level or Scale)

2- क्रमिक स्तर या मापनी (Ordinal level or Scale)

3- अन्तराल स्तर या मापनी (Internal Level or Scale)

4- अनुपात स्तर या मापनी (Ratio level or Scale)

Scanned with OKEN Scanner

Topic .... Date : ....

1- नामित स्तर या मापनी -

गिलफोर्ड के अनुसार "नामित स्केल के मापन मे हम मात्र कक्षा या समूह की संख्या का प्रयोग करते है।"

"In normal Scale measurement, We merely use number as a level for a class Or Category".

इसलिए इसे शाब्दिक या वर्गीकरण मापनी भी कहा जाता है। इसमे व्यक्तियों या वस्तुओं को किसी विशेषता के आधार पर कुछ समूहो मे विभाजित कर दिया जाता है।

2- क्रमिक स्तर या मापनी -

इस प्रकार की मापनी मे व्यक्तियों को किसी गुण की मात्रा मे आधार निम्नतम से उच्चतम के क्रम मे व्यवस्थित किया जाता है। तथा इस आधार पर निर्मित प्रत्येक वर्ग को एक नाम या चिन्ह प्रदान किया जाता है। जैसे - परीक्षा मे प्राप्तांको के आधार पर छात्रो को प्रथम, द्वितीय, तृतीय और अनुतीर्ण श्रेणी मे विभाजित कराते है।

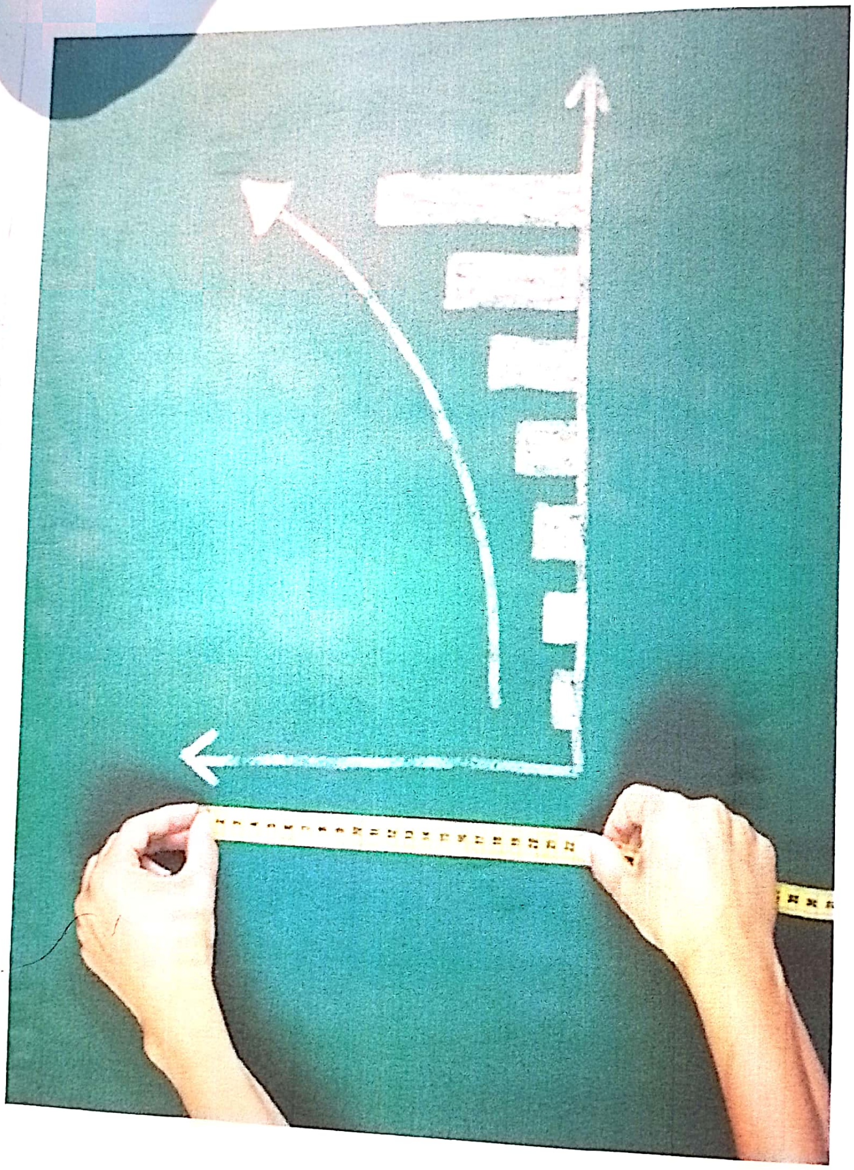

Scanned with OKEN Scanner

Topic .... Date : ....

3- अन्तराल स्तर या मापनी-

इसे समान ईकाई मापन भी कहा जाता है। इसमे व्यक्तियो या वर्गों के मध्य की दूरी को अंको के माध्यम से ज्ञात किया जाता है। 98° से 99° तक जितनी दूरी है। उतनी ही दूरी 107° से 108° के मध्य पायी जाती है। क्योकि अन्तराल मापनी के प्रत्येक समान दूरी पर स्थित होती है।

4) अनुपात स्तर या मापनी -

अनुपात मापनी सर्वाधिक वैज्ञानिक और विश्वसनीय मानी जाती है इसमे अन्तराल मापनी सभी विशेषताओं के साथ -2 एक वास्तविक शून्य बिन्दु से ही प्रारम्भ होता है। जिसका आशय उस गुण या विशेषता की शून्य मात्रा से है।

जैसे - लम्बाई भार या दूरी के मापन मे शून्य बिन्दु माना जाता है।

जैसे - जोड, घटाना, गुणा, भाग, आदि, का प्रयोग किया जाता है।

मापन का स्तर या मापनी	समान इकाइयाँ	वास्तविक शून्य बिन्दु	सांख्यिकीय गणना	प्रकृति	उदाहरण
1- नामित	नही	नही	गणना या बारम्बारता	किसी गुण पर समानता के आधार पर व्यक्तियो को समूहो मे बाँटना	लिंग भेद के आधार पर बच्चों को लड़को और लड़कियो के समूह मे बाँटना.
2- क्रमिक	नही	नही	मध्याक, शतांशीय मान कोटिक्रम, सह सम्बन्ध	गुण की मात्रा के आधार पर निम्न से उच्च के क्रम मे समूह के व्यक्तियो का वर्गीकरण	परीक्षण के अंको के आधार पर छात्रों को श्रेणी प्रदान करना जैसे प्रथम, द्वितीय, तृतीय, श्रेणी आदि।
3- अन्तराल	हाँ	नही	मध्य मान मानक, सह-सम्बन्ध	किसी गुण की मात्रा के आधार पर समान अन्तराल का निर्धारण	तापक्रम, शैक्षिक उपलब्धि, प्राप्तांक बुद्धिलब्धि अंक।

Topic .... Date : ....

Topic .... Date : ....

५- अनुपात	हाँ	नही	+, −, ×, ÷ के आधार पर विभिन्न प्रकार की सांख्यिकीय गणना	समान अनुपात द्वारा इस प्रकार अंक प्रदान करना कि शून्य से अभिप्राय उस गुण की पूर्ण अनुपस्थिति	लम्बाई, भार, दूरी, ऊँचाई आदि भौतिक चरों का मापन।